Credit Structure-I

SNDT Women's University, Mumbai

Credit structure For Under Graduate Programmes in Humanities, Science and Technology and Interdisciplinary Studies Faculties

As per Government of Maharashtra Circular dated 13th March, 2024

B.A. Hindi

NEP - 2020

SEM I & II

(w.e.f. 2025-26)

Credit structure For Under Graduate Programmes in Humanities, Science and Technology and Interdisciplinary Studies Faculties (2024 May as per GR dated 13/03/2024)

	Sem I	Sem II	Sem III	Sem IV	Sem V	Sem VI	Total
Subject No 1 (to be treated as Major)	2	2	12	12	8	10	46
Subject No 2 (A and B), so minor	2	2	2		4	4	14
Subject No 3	2	2					4
VSC S1	2				2		4
VSC S2		2					2
VSC S3		2					2
Major (Elective)					4	4	8
OEC	4	4	2	2			12
SEC	2	2		2			6
AEC (English)	2	2					4
AEC (Modern Indian Language)			2	2			4
VEC	2	2					4
CC	2	2	2	2			8
IKS (Generic)	2						2
IKS (Major-Specific)					2		2
FP			2		2		4
CE				2			2
OJT						4	4
	22	22	22	22	22	22	132

Abbreviation	Full-form	Remarks	Related to Major and Minor Courses
Major (Core)	Main Discipline		
Major (Elective)	Elective Options		Related to the Major Discipline
S1, S2, S3	**Subjects/courses**		**Offered in first year and selected as minor and major from 3rd semester**
Minor Stream	Other Disciplines (Inter/ Multidisciplinary) not related to the Major	either from the same Faculty or any other faculty	
OEC	Open Elective Courses/ Generic		Not Related to the Major and Minor
VSC	Vocational Skill Courses		Related to the Major and Minor
SEC	Skill Enhancement Courses		Not Related to the Major and Minor
AEC	Ability Enhancement Courses	Communication skills, critical reading, academic writing, etc.	Not Related to the Major and Minor
VEC	Value Education Courses	Understanding India, Environmental science/education, Digital and technological solutions, Health & Wellness, Yoga education, sports, and fitness.	Not Related to the Major and Minor
IKS	Indian Knowledge System	I. Generic IKS Course: basic knowledge of the IKS II. II. Subject-Specific IKS Courses: advanced information about the subject: part of the major credit	Subject Specific IKS related to Major
OJT	On-Job Training (Internship/Apprenticeship)	corresponding to the Major Subject	Related to the Major
FP	Field projects	corresponding to the Major Subject	Related to the Major
CC	Co-curricular Courses	Health and Wellness, Yoga education sports, and fitness, Cultural Activities, NSS/NCC and Fine/ Applied/Visual/ Performing Arts	Not Related to the Major and Minor
CE	Community Engagement and service		Not Related to the Major and Minor
RP	Research Project	corresponding to the Major Subject	Related to the Major

एस. एन. डी. टी. महिला विश्वविद्यालय,
नाथीबाई ठाकरसी रोड, मुंबई – 20
बी. ए. हिंदी ऑनर्स पाठ्यक्रम

Programme Template:

Programme Degree		B. A. Honours Degree / B. A. Honours with Research Degree
Parenthesis if any (Specialization)		**हिंदी**
Preamble (Brief Introduction to the programme)		राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के तहत प्रस्तावित नीतियाँ और नवोन्मेषी शिक्षा के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम अधिक उपयुक्त साबित होगा. इससे इक्कीसवीं सदी के भारत का भविष्य और भविष्य का भारत बनाने हेतु तथा छात्राओं की जरूरतों की दृष्टि से छात्राओं में कौशल विकास में उर्ध्वगामी बदलाव होंगे. यह विद्यार्थी केन्द्रित पाठ्यक्रम छात्राओं में निहित अनूठी रचनात्मकता एवं संवेदनशील क्षमताओं को विकसित करता है और उनको किसी भी ज्ञान शाखा के रूचि और रुझान के अनुसार बहुविद्याशाखाओं का ज्ञान अर्जन करने की पूरी स्वतंत्रता और नवचार प्रदान करता है. यह पाठ्यक्रम भारतीय नीति मूल्य

		आधारित शिक्षा की जड़ों से जुड़कर राष्ट्रप्रेम के साथ जीवनोपयोगी ज्ञान से विश्व और समाज को बदलने की क्षमता रखता है. संक्षेप में प्रत्यक्ष अनुभव, कलात्मकता, सृजनशीलता, तर्कशीलता, भीतरी गुणवत्ता और कौशल विकास और रोजगारपरक शिक्षा आदि पर इस पाठ्यक्रम में अधिक बल दिया गया है.
Programme Specific Outcomes (PSOs)		After completing this programme, Learner will
	1.	छात्राओं में सामाजिकता, सांकृतिक एकता एवं राष्ट्रीयता की भावना समृद्ध होगी।
	2.	छात्राएँ हिंदी साहित्य एवं भाषा के सभी आयामों का गहन एवं विशद ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम होगी।
	3.	छात्राओं में सम-सामयिक समस्याओं का आकलन और अग्रगामी परिवर्तन की समझ विकसित होगी।
	4.	छात्राओं की वैचारिक क्षमता, सृजनात्मकता और कल्पनाशीलता विकसित होगी।
	5.	छात्राएँ शोध कार्य की ओर अभिरुचि के साथ उन्मुख होगी।
	6.	छात्राएँ रचनात्मक, व्यावसायिक लेखन और रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों की ओर अग्रेषित होगी।

	7.	छात्राएँ भाषिक कौशल, हिंदी व्याकरण, जीवन मूल्य और भारतीय ज्ञान परंपरा से अवगत होगी ।
Eligibility Criteria for Programme	1 2	छात्र किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12 वीं कक्षा या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण हो। छात्र हिंदी लेखन तथा संवाद में कुशल हो।
Intake (For SNDT WU Departments and Conducted Colleges)		एस.एन.डी.टी. विश्वविद्यालय के नियमानुसार

हिंदी अध्ययन मंडल
श्रीमती नामुंबई ,विश्वविद्यालय महिला.ठा.दा.

1. प्रो. चंद्रकांत मिसाळ (अध्यक्ष)
2. डॉ. वंदना शर्मा (सदस्य)
3. डॉ. लक्ष्मण पाटील (सदस्य)
4. डॉ. संतोष कौल (सदस्य)
5. डॉ. अनिसबेग मिर्झा (सदस्य)
6. डॉ. रविंद्र खरे (सदस्य)
7. डॉ. हुकुमचंद जाधव (सदस्य)
8. डॉ. रविन्द्र कात्यायन (सदस्य)
9. डॉ. सुनीता मिश्रा (सदस्य)
10. डॉ. परमेश्वर काकडे (सदस्य)
11. प्रो. दत्तात्रय मुरुमकर (सदस्य)
12. डॉ. अर्चना गौतम (सदस्य)
13. डॉ. श्यामसुंदर पाण्डेय (सदस्य)
14. डॉ. सतीश पाण्डेय (सदस्य)
15. श्री. संजय भारद्वाज (सदस्य)

16. प्रो. सुरेश कानडे (विशेष आमंत्रित सदस्य)

17. डॉ. शिवदत्ता वावळकर (विशेष आमंत्रित सदस्य)

18. डॉ. मनोज गोयल (विशेष आमंत्रित सदस्य)

Structure with Course Titles (Revised May 2024)

SN	Courses	Type of Course	Credits	Marks	Int	Ext
	Semester- I					
10010301	हिंदी व्यंग्य कहानी	Subject No 1	2	50	50	0
10010301	हिंदी व्यंग्य कहानी	Subject No 2	2	50	50	0
10010	हिंदी व्यंग्य कहानी	Subject No 3	2	50	50	0
10410311	फिल्म रसास्वादन	OEC (other than Subject No 1, 2 and Subject 3)	4	100	50	50
10610301	प्रयोजनमूलक हिंदी	VSC (related to Subject 1) (Major for BOS)	2	50	50	0
10710101 OR 10710102	Content Writing in English - I (Basics) (for students of English medium) OR Reading and Comprehension Skills in English(for students of Non-English medium)	SEC	2	50	0	50
10810111 OR 10810112	English for Academic Writing- I (for students of English medium) OR English Language and Literature – I (for Students of Non-English medium)	AEC (English)	2	50	0	50
11051111	Indian Knowledge System / Generic	IKS (Generic)	2	50	0	50
10952111	Introduction to Indian Constitution	VEC	2	50	0	50
11450121 11450221 11450322 11450421	Basics of National Service Scheme National Cadets Corps. (NCC) Studies- I Health and Wellness Performing Arts Exploration	CC	2	50	50	0
			22	**550**	**300**	**250**

	Semester II					
20010311	हिंदी व्यंग्य कथा	Subject No 1	2	50	0	50
20010311	हिंदी व्यंग्य कथा	Subject 2	2	50	0	50
20010311	हिंदी व्यंग्य कथा	Subject No 3	2	50	0	50
20610301	प्रयोजनमूलक हिंदी	VSC of Subject 2	2	50	50	0
20610301	प्रयोजनमूलक हिंदी	VSC of Subject 3	2	50	50	0
20410311	भारतीय लोक कथाएँ	OEC (other than Subject 1, 2 and Subject 3)	4	100	50	50
20710301	साक्षात्कार कौशल -	SEC	2	50	50	0
20810111 20810112	English for Academic Writing- II (for Students of English medium) OR English Language and Literature – II (for Non-English students)	AEC (English)	2	50	0	50
20952111	Environment Awareness	VEC	2	50	0	50
21450121 21450221 21450323 21450421	Volunteerism and National Service Scheme National Cadets Corps. (NCC) Studies- II Yoga Education Fine Art	CC	2	50	50	0
			22	**550**	**250**	**300**

Exit with UG Certificate with 4 extra credits (44 + 4 credits)

Course Syllabus

Semester I

Subject–1

Course Title **पाठ्यक्रम शीर्षक**	**हिंदी व्यंग्य कहानी**
Course Credits **पाठ्यक्रम श्रेयांक**	**2**
Course Outcomes **पाठ्यक्रम परिणाम**	After going through the course, learners will be able to पाठ्यक्रम सीखने के उपरांत छात्राएँ सक्षम होंगी।
	1. छात्राएँ व्यंग्य कहानी विधा की जानकारी से परिचित होंगी।
	2. छात्राएँ व्यंग कथ्य और व्यंग्य शैली से अवगत होंगी।
	3. छात्राएँ व्यंग्य कहानीकारों से परिचित होंगी।
	4. छात्राएँ व्यंग्य रचना संसार से परिचित होकर हास्य व्यंग्य कहानी से अवगत होंगी।
	निर्धारित पाठ्यपुस्तक: हास्य व्यंग्य कहानी, हिंदी अध्ययन मंडल द्वारा संपादित, वाणी **प्रकाशन**, दरियागंज, नई दिल्ली - 110002
Module 1 (Credit 1)	
Learning Outcomes पाठ्यक्रम- अध्ययन के परिणाम	After learning the module, learners will be able to इस इकाई के अध्ययन के उपरांत छात्राएँ सक्षम हुईं :
	1. छात्राएँ व्यंग्य कहानी विधा की जानकारी और कहानीकारों से परिचित हुईं ।
	2. छात्राएँ व्यंग कथ्य और व्यंग्य शैली से अवगत हुईं ।
Content Outline **सामग्री की रूपरेखा**	• कहानीकार अजातशत्रु का परिचय • 'ई.सी.बी.' - अजातशत्रु • कहानीकार कमलेश्वर का परिचय • ज़ार्ज पंचम की नाक'- कमलेश्वर
Module 2 (Credit 1)	
Learning Outcomes	After learning the module, learners will be able to इस इकाई के अध्ययन के उपरांत छात्राएँ सक्षम हुईं :

पाठ्यक्रम- अध्ययन के परिणाम	1. छात्राएँ व्यंग्य कहानी विधा की जानकारी और कहानीकारों से परिचित हुईं ।
	2. छात्राएँ व्यंग कथ्य और व्यंग्य शैली से अवगत हुईं ।
Content Outline सामग्री की रूपरेखा	• कहानीकार शरद जोशी का परिचय • 'तुम कब आओगे, अतिथि?' – शरद जोशी • कहानीकार गिरिराजशरण अग्रवाल का परिचय • 'दीक्षा गाथा-'- गिरिराजशरण अग्रवाल

Assignments / Activities towards Comprehensive Continuous Evaluation (CCE)

विश्वविद्यालय परीक्षा विभाग अथवा महाविद्यालय द्वारा प्रश्नपत्र के अनुसार सुनिश्चित टेस्ट, ट्युटोरियल या मौखिकी / संगोष्ठी /समूह परिचर्चा/पीपीटी/भूमिका निर्वहन/पोस्टर निर्मिती /मंचन आदि के संबंध में अध्यापक के निर्देशानुसार सत्रानुरूप कार्य |

अ.क्र.	विवरण	अंक
1	अंतर्गत मूल्यांकन	15
2	मौखिकी / संगोष्ठी /समूह परिचर्चा/पीपीटी/भूमिका निर्वहन/पोस्टर निर्मिती /मंचन आदि के संबंध में अध्यापक के निर्देशानुसार सत्रानुरूप कार्य | (उक्त गतिविधियों में से तीन गतिविधियाँ आवश्य हैं ।)	35
	कुल अंक	50

संदर्भ ग्रंथ –

1. हास्य व्यंग्य कहानी, (हिंदी अध्ययन मंडल द्वारा संपादित पाठ्यपुस्तक), संपा. प्रो. चंद्रकांत मिसाळ, वाणी **प्रकाशन**, दरियागंज, नई दिल्ली **–** 110002
2. हिन्दी व्यंग्य साहित्य और हरिशंकर परसाई – मदालसा व्यास, भारतीय ग्रन्थ निकेतन, 2713, कूचा चेलान, दरिया गंज, नई दिल्ली – 110002
3. हिंदी का स्वातंत्र्योत्तर हास्य और व्यंग्य - डॉ. बालेन्दुशेखर तिवारी**,** अन्नपूर्णा प्रकाशन**,** 106/154**,** गांधी नगर**,** कानपुर – 208012

4. हिंदी व्यंग्य एवं व्यंग्यकार - डॉ. बापूराव देसाई, विनय प्रकाशन, 70, पशुपति नगर, नौबस्ता, कानपुर – 21
5. हरिशंकर परसाई और उनका साहित्य – डॉ. अर्चना सिंह, हिंदी बुक सेंटर, 4/5 बी, असफअली रोड, नई दिल्ली – 110002
6. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी व्यंग्य निबंध एवं निबंधकार - डॉ. बापूराव देसाई, चिंतन प्रकाशन, 787 /4 , पशुपति नगर, नौबस्ता , कानपुर – 208021
7. हिंदी निबंधकार - डॉ. जयनाथ नलीन, आत्माराम एंड सन्स , काश्मीरी गेट , दिल्ली -17 स्वातंत्र्योत्तर हिंदी व्यंग्य का मूल्यांकन - डॉ. सुरेश माहेश्वरी, विकास प्रकाशन, साकेत नगर, कानपुर – 208014
8. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य में व्यंग्य - डॉ. हरिशंकर दुबे, राधाकृष्ण प्रकाशन, 7/23 , अंसारी रोड , दरियागंज, नई दिल्ली – 110002
9. हिंदी व्यंग्य : बदलते प्रतिमान - डॉ. तेजपाल चौधरी, पंचशील प्रकाशन, फिल्म कॉलोनी ,चौडा रास्ता , जयपुर – 302003
10. हरिशंकर परसाई और उनका साहित्य - डॉ. अर्चना सिंह, हिंदी बुक सेंटर , 4 / 5 बी. , आसफ अली रोड, नई दिल्ली – 110002
11. सगोत्री विधाओं का 'अकेला मेला' -डॉ. केशव प्रथमवीर, संपा. चेतना राजपूत, पराग बुक्स, गाजियाबाद

OEC

Course Title **पाठ्यक्रम शीर्षक**	**फिल्म रसास्वादन**
Course Credits **पाठ्यक्रम श्रेयांक**	**4**
Course Outcomes **पाठ्यक्रम परिणाम**	After going through the course, learners will be able to पाठ्यक्रम सीखने के उपरांत छात्राएँ सक्षम होंगी।
	1.छात्राएँ हिंदी फिल्म निर्माण प्रक्रिया के विविध पहलुओं से परिचित होंगी।
	2.छात्राएँ फिल्मों में प्रयुक्त हिंदी भाषा के स्वरूप से परिचित होंगी।
	3.छात्राएँ फिल्मों के सामाजिक, सांस्कृतिक प्रदेय से अवगत

	होंगी।
	4.छात्राओं में फिल्मों के रसास्वादन के नई दृष्टि विकसित होंगी।
	निर्धारित फिल्मे : **1.** दंगल – नितेश तिवारी **2.** लापता लेडीज – किरण राव **3. लज्जा – राजकुमार संतोषी** **4.** १२ वी फेल **–** विधु विनोद चोपडा
Module 1 (Credit 1)	
Learning Outcomes पाठ्यक्रम- अध्ययन के परिणाम	After learning the module, learners will be able to इस इकाई के अध्ययन के उपरांत छात्राएँ सक्षम हुईं :
	1. छात्राओं में फ़िल्में देखने की वैचारिक दृष्टि विकसित हुईं ।
	2. छात्राएँ फिल्म रसास्वादन के विभिन्न पहलुओं से अवगत हुईं ।
Content Outline **सामग्री की रूपरेखा**	• दंगल – नितेश तिवारी • रसास्वादन के आधार बिंदु : निर्देशकीय दृष्टि, कथा, समस्या, पात्र योजना, गीत संगीत, संवाद, उद्देश्य, संदेश, प्रभाव
Module 2 (Credit 1)	
Learning Outcomes पाठ्यक्रम- अध्ययन के परिणाम	After learning the module, learners will be able to इस इकाई के अध्ययन के उपरांत छात्राएँ सक्षम हुईं :
	1. छात्राएँ निर्देशकीय दृष्टिकोण से परिचित हुईं ।
	2. छात्राएँ फिल्म रसास्वादन के विभिन्न पहलुओं से अवगत हुईं ।
Content Outline **सामग्री की रूपरेखा**	• लापता लेडीज – किरण राव • रसास्वादन के आधार बिंदु : निर्देशकीय दृष्टि, कथा, समस्या, पात्र योजना, गीत संगीत, संवाद, उद्देश्य, संदेश, प्रभाव
Module 3 (Credit 1)	
Learning Outcomes पाठ्यक्रम- अध्ययन के परिणाम	After learning the module, learners will be able to इस इकाई के अध्ययन के उपरांत छात्राएँ सक्षम हुईं :
	1. छात्राओं में फ़िल्में देखने की वैचारिक दृष्टि विकसित हुईं ।
	2. छात्राएँ फिल्म रसास्वादन के विभिन्न पहलुओं से अवगत

	हुईं ।
Content Outline सामग्री की रूपरेखा	• लज्जा - निर्देशक -राजकुमार संतोषी • रसास्वादन के आधार बिंदु : निर्देशकीय दृष्टि, कथा, समस्या, पात्र योजना, गीत-गीतकार, संगीत, संवाद, उद्देश्य, संदेश, प्रभाव
Module 4 (Credit 1)	
Learning Outcomes पाठ्यक्रम- अध्ययन के परिणाम	After learning the module, learners will be able to इस इकाई के अध्ययन के उपरांत छात्राएँ सक्षम हुईं :
	1. छात्राओं में फ़िल्में देखने की वैचारिक दृष्टि विकसित हुईं ।
	2. छात्राएँ फिल्म रसास्वादन के विभिन्न पहलुओं से अवगत हुईं ।
Content Outline सामग्री की रूपरेखा	• १२ वी फेल –- निर्देशक- विधु विनोद चोपडा • रसास्वादन के आधार बिंदु : निर्देशकीय दृष्टि, कथा,समस्या, पात्र योजना, गीत-गीतकार, संगीत, संवाद, उद्देश्य, संदेश, प्रभाव

Assignments/Activities towards Comprehensive Continuous Evaluation (CCE)

विश्वविद्यालय परीक्षा विभाग अथवा महाविद्यालय द्वारा प्रश्नपत्र के अनुसार सुनिश्चित टेस्ट, ट्युटोरियल या मौखिकी/फ़िल्म रसास्वादन कार्यशाला में सहभागिता / फ़िल्म के लिए पोस्टर निर्माण/ फ़िल्म समीक्षा /फ़िल्म फेस्टिवल फ़िल्म दर्शकों से प्रश्नावली-सर्वेक्षण/फ़िल्म प्रदर्शन एवं चर्चा सत्र में सहभागिता/पिक्टों चार्ट/पीपीटी निर्माण / विभिन्न पत्र -पत्रिकाओं में प्रकाशित फ़िल्म समीक्षा संकलन के आलोक में सम्बद्ध अध्यापक के निर्देशानुसार सत्रानुरूप कार्य|

अ.क्र.	विवरण	अंक
1	अंतर्गत मूल्यांकन	15
2	फ़िल्म रसास्वादन कार्यशाला में सहभागिता / फ़िल्म के लिए पोस्टर निर्माण/ फ़िल्म समीक्षा /फ़िल्म फेस्टिवल फ़िल्म दर्शकों से प्रश्नावली-सर्वेक्षण/फ़िल्म प्रदर्शन एवं चर्चा सत्र में सहभागिता/पिक्टों चार्ट/पीपीटी निर्माण /	35

	विभिन्न पत्र -पत्रिकाओं में प्रकाशित फ़िल्म समीक्षा संकलन (उक्त गतिविधियों में से तीन गतिविधियाँ आवश्य हैं ।)	
	कुल अंक	50

संदर्भ ग्रंथ –

1. सिनेमा और संस्कृति – राही मासूम रज़ा, वाणी प्रकाशन, 21 ए, दरियागंज, नई दिल्ली – 02
2. लोकप्रिय सिनेमा और सामाजिक यथार्थ - जवरीमल पारख, अनामिका, 4897/3 - ए, अंसारी रोड, नई दिल्ली – 02
3. हिंदी सिनेमा और दाम्पत्य संबंध – डॉ. चंद्रकांत मिसाल, हिंदी साहित्य निकेतन, 16 सहित्य विहार, बिजनौर, उ.प्र. 246701
4. हिंदी सिनेमा में चित्रित पत्नी उत्पीड़न - डॉ. चंद्रकांत मिसाल, ओम व्हिजन अकेडमी, शॉप नं. 11, 985, भूपती कॉम्पलेक्स, ज्ञान प्रबोधिनी स्कूल के सामने, सदाशिव पेठ, पुणे - 30
5. सिनेमा और साहित्य का अंत:संबंध – डॉ. चंद्रकांत मिसाल, हिंदी साहित्य निकेतन, साहित्य विहार, बिजनोर (उ.प्र.), 24670
6. सामाजिक मूल्यनिर्धारण में सिनेमा का योगदान – डॉ. चंद्रकांत मिसाल, जगत भारती प्रकाशन, दूरवाणी नगर, इलाहाबाद
7. समिचन-संपादक -डॉ.देवेश ठाकुर, डॉ.सतीश पाण्डेय स्वामी मुद्रक प्रकाशक-देवेश ठाकुर ने प्रिंटोग्राफी सिस्टम,घाटकोपर,मुंबई.
8. नारी अस्मिता और भारतीय हिंदी सिनेमा- डॉ मुदिता चंद्रा/डॉ जूही समर्पिता, भावना प्रकाशन, 109-ए, पटपड़गंज, दिल्ली 110091.
9. जनसंचार और मीडिया लेखन – दत्तात्रय मुरुमकर,प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली,110002.
1. सिनेमा में नारी- शमीम खान, ग्रंथ आकादमी,1659 पुराना दरियागंज नई दिल्ली,110002.

2. भारतीय सिनेमा और नारी- डॉ दयानंद गौतम / डॉ कामना महिन्दु नवभारत प्रकाशन, डी 626 गली 1 अशोक नगर, शाहदरा, दिल्ली 110093.
3. समकालीन हिंदी सिनेमा- डॉ सी. भास्कर राव, कल्पना प्रकाशन1770, जहाँगीर पूरी दिल्ली 110033
4. भारतीय हिंदी सिनेमा की विकास यात्रा एक मूल्यांकन - डॉ देवेन्द्र नाथ सिंह/डॉ वीरेंद्र सिंह यादव, पैसिफिक पब्लिकेशन, एन-187, शिवाजी चौक, सादतपुर, एक्सेंटेशन, दिल्ली-110094
5. सृजन समय -संपादक -आशीष कुमार/नितप्रिया प्रलय, वर्धा प्रकाशन अंक जनवरी/जून 2017
6. सिनेमा के सौ वर्ष – सं. मृत्युंजय, शिल्पायन, 10295 – लेन - 1, वेस्ट गोरख पार्क, शाहदरा, दिल्ली – 32
7. सिनेमा : कल, आज, कल – विनोद भारद्वाज,वाणी प्रकाशन, 21 ए, दरियागंज, नई दिल्ली –02
8. सिनेमा, समकालीन सिनेमा – अजय ब्रह्मात्मज, वाणी प्रकाशन, 21 ए, दरियागंज, नई दिल्ली
9. सिनेमा की सोच – अजय ब्रह्मात्मज, वाणी प्रकाशन, 21 ए, दरियागंज, नई दिल्ली – 110002
10. हिंदी सिनेमा का सच – सं. शम्भुनाथ, वाणी प्रकाशन, 21 ए, दरियागंज, नई दिल्ली – 110002
11. वसुधा–81-हिंदी सिनेमा विशेषांक – सं. प्रह्लाद अग्रवाल,एम-31,निराला नगर,दुष्यंत मार्ग, भोपाल– 3
12. हिन्दी सिनेमा : बीसवीं से 21वीं सदी तक- वसुधा-अंक-81- सं- प्रह्लाद अग्रवाल- एम.-51, निराला नगर, भोपाल- 462002
13. हंस- मासिक पत्रिका – संम्पाद्क- राजेन्द्र यादव- फिल्म विशेषांक- फरवरी- 2013
14. साहित्य और सिनेमा : बदलते परिदृश्य में सम्भावनाएँ और चुनौतियाँ – डॉ. शैलजा भारद्वाज, चिंतन प्रकाशन

VSC

Course Title **पाठ्यक्रम शीर्षक**	**प्रयोजनमूलक हिंदी**
Course Credits **पाठ्यक्रम श्रेयांक**	**2**
Course Outcomes **पाठ्यक्रम परिणाम**	After going through the course, learners will be able to पाठ्यक्रम सीखने के उपरांत छात्राएँ सक्षम होंगी।
	1.छात्राएँ प्रयोजनमूलक हिंदी की अवधारणा से अवगत होंगी।
	2.छात्राएँ प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध व्यवहार क्षेत्रों से परिचित होंगी।
	3.छात्राएँ प्रयोजनमूलक हिंदी में रोजगार के अवसरों से अवगत होंगी।
Module 1 (Credit 1)	
Learning Outcomes पाठ्यक्रम- अध्ययन के परिणाम	After learning the module, learners will be able to इस इकाई के अध्ययन के उपरांत छात्राएँ सक्षम हुईं :
	1.छात्राएँ प्रयोजनमूलक हिंदी के अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप से परिचित हुईं ।
	2.छात्राएँ प्रयोजनमूलक हिंदी की आवश्यकता,महत्व और उसके व्यावहारिक क्षेत्र से अवगत हुईं ।
Content Outline **सामग्री की रूपरेखा**	• प्रयोजनमूलक हिंदी : अर्थ, परिभाषा और स्वरुप • प्रयोजनमूलक हिंदी की आवश्यकता और महत्व • प्रयोजनमूलक हिंदी : व्यवहार-क्षेत्र
Module 2 (Credit 1)	
Learning Outcomes पाठ्यक्रम- अध्ययन के परिणाम	After learning the module, learners will be able to इस इकाई के अध्ययन के उपरांत छात्राएँ सक्षम हुईं :
	1.छात्राओं में टिप्पण, आलेखन, भाव पल्लवन और संक्षेपण प्रक्रिया की प्रत्यक्ष समझ पैदा हुईं ।
	2.छात्राएँ प्रयोजनमूलक हिंदी में रोजगार की सम्भावनाओं से अवगत हुईं ।

Content Outline **सामग्री की रूपरेखा**	• टिप्पण, आलेखन • भाव पल्लवन और संक्षेपण • प्रयोजनमूलक हिंदी में रोजगार की संभावनाएं

Assignments / Activities towards Comprehensive Continuous Evaluation (CCE)

विश्वविद्यालय परीक्षा विभाग अथवा महाविद्यालय द्वारा प्रश्नपत्र के अनुसार सुनिश्चित टेस्ट, ट्युटोरियल या मौखिकी / प्रोजेक्ट (विविध क्षेत्रों में हिंदी से संबंधित रोजगार की संभावनाएँ) / बैंक, पोस्ट ऑफिस, रेल्वे स्टेशन, आकाशवाणी आदि सरकारी कार्यालयों में हिंदी में कामकाज के जायजे का आलेखन//टिप्पण/प्रतिवेदन/भाव पल्लवन/संक्षेपण लेखन/ प्रयोजनमूलक हिंदी के व्यवहारिक क्षेत्र के आलोक में सम्बद्ध अध्यापक के निर्देशानुसार सत्रानुरूप कार्य|

अ.क्र.	**विवरण**	**अंक**
1	अंतर्गत मूल्यांकन	15
2	मौखिकी / प्रोजेक्ट (विविध क्षेत्रों में हिंदी से संबंधित रोजगार की संभावनाएँ) / बैंक, पोस्ट ऑफिस, रेल्वे स्टेशन, आकाशवाणी आदि सरकारी कार्यालयों में हिंदी में कामकाज के जायजे का आलेखन//टिप्पण/प्रतिवेदन/भाव पल्लवन/संक्षेपण लेखन/ प्रयोजनमूलक हिंदी के व्यवहारिक क्षेत्र के आलोक में सम्बद्ध अध्यापक के निर्देशानुसार सत्रानुरूप कार्य| (उक्त गतिविधियों में से तीन गतिविधियाँ आवश्य हैं ।)	35
	कुल अंक	50

संदर्भ ग्रंथ:

1. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. कमल कुमार बोस, बी.के.तनेजा क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, 28 शॉपिंग सेंटर, करमपुरा, नई दिल्ली – 15
2. प्रयोजनमूलक हिंदी : अधुनातन आयाम – डॉ. अम्बादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, 57 पी.,कुंज विहार II, यशोदा नगर, कानपुर – 11

3. प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध स्वरूप – डॉ.विजय कुलश्रेष्ठ एवं डॉ. बीना रुस्तगी, नमन प्रकाशन, 4231/1, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली – 110002
4. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, 21 ए, दरियागंज, नई दिल्ली – 02
5. प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध परिदृश्य – डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी एवं डॉ. पवन अग्रवाल, अलका प्रकाशन,128/106, जी.ब्लॉक, किदवई नगर, कानपुर – 11
6. प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिंदी – डॉ. ओमप्रकाश सिंहल, जगतराम एण्ड सन्ज़,IX /221, सरस्वती भण्डार, गांधी नगर, दिल्ली – 110031
7. प्रयोजनमूलक हिंदी : संरचना और प्रयोग – डॉ. माधव सोनटक्के, छाया पब्लिशिंग हाऊस, 'सरस्वती छाया'20, न्यू समर्थ नगर, निराला बाजार, औरंगाबाद – 431001
8. व्यावहारिक हिन्दी – डॉ. लक्ष्मीकान्त पाण्डेय, साहित्य रत्नालय,37/50, गिलिस बाज़ार,कानपुर – 01
9. प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. पुरुषोत्तम वाजपेयी , चंद्रलोक प्रकाशन , 132, शिवराम कृपा , मयूर पार्क , वसंत विहार , नौबस्ता , कानपुर – 21
10. प्रशासनिक हिंदी : टिप्पण, प्रारूपण - डॉ. हरिमोहन , तक्षशिला प्रकाशन , 23 / 4761 , अंसारी रोड , दरियागंज , नई दिल्ली – 11000
11. हिंदी में रोजगार की संभावनाएं- डॉ. शाहबुद्दीन शेख, नवभारत प्रकाशन डी.626 गली 1 अशोक नगर शाहदरा दिल्ली 110094

SEC

Course Title **पाठ्यक्रम शीर्षक**	**उदघोषणा और मंच संचालन**
Course Credits **पाठ्यक्रम श्रेयांक**	**2**
Course Outcomes	After going through the course, learners will be able to

पाठ्यक्रम परिणाम	पाठ्यक्रम सीखने के उपरांत छात्राएँ सक्षम होंगी।
	1.छात्राएँ उदघोषणा कला से परीचित होंगी।
	2.छात्राएँ उदघोषणा एवं मंच संचालन कौशल में सक्षम होंगी।
	3. छात्राएँ उदघोषक के रूप में रोजगार के अवसर प्राप्त करने में सक्षम होंगी।
Module 1 (Credit 1)	
Learning Outcomes पाठ्यक्रम- अध्ययन के परिणाम	After learning the module, learners will be able to इस इकाई के अध्ययन के उपरांत छात्राएँ सक्षम हुईं :
	1.छात्राएँ उदघोषणा और मंच संचालन कला के स्वरुप से अवगत हुईं ।
	2.छात्राएँ उदघोषणा एवं मंच संचालन की आवश्यकता, महत्व और मंच संचालक के गुणों से परिचित हुईं ।
Content Outline सामग्री की रूपरेखा	• उदघोषणा एवं मंच संचालन कला का स्वरुप • उदघोषणा एवं मंच संचालन कला की आवश्यकता और महत्व • उदघोषक एवं मंच संचालक के गुण
Module 2 (Credit 1)	
Learning Outcomes पाठ्यक्रम- अध्ययन के परिणाम	After learning the module, learners will be able to इस इकाई के अध्ययन के उपरांत छात्राएँ सक्षम हुईं :
	1.छात्राएँ उदघोषणा एवं मंच संचालन के प्रकारों से अवगत हुईं ।
	2.छात्राएँ रेडिओ के उदघोषणा एवं कलात्मक भाषा से परिचित हुईं ।
Content Outline सामग्री की रूपरेखा	• उदघोषणा एवं मंच संचालन के प्रकार • एफ.एम्. और रेडिओ में उदघोषणा कला • उदघोषक की भाषा-शैली

Assignments / Activities towards Comprehensive Continuous Evaluation (CCE)

निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार :
विश्वविद्यालय परीक्षा विभाग अथवा महाविद्यालय द्वारा प्रश्नपत्र के अनुसार सुनिश्चित टेस्ट, ट्युटोरियल या मौखिकी / प्रोजेक्ट (विविध क्षेत्रों में हिंदी से संबंधित रोजगार की संभावनाएँ) /महाविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में मंच संचालन और सहभागिता/ दूरदर्शन / एफ.एम्./ आकाशवाणी/स्टूडियो आदि में उदघोषणा से संबंधित प्रस्तुतिकरण और प्रश्नपत्र के आलोक में सम्बद्ध अध्यापक के निर्देशानुसार सत्रीय कार्य|

अ.क्र.	विवरण	अंक
1	अंतर्गत मूल्यांकन	15
2	मौखिकी / प्रोजेक्ट (विविध क्षेत्रों में हिंदी से संबंधित रोजगार की संभावनाएँ) /महाविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में मंच संचालन और सहभागिता/ दूरदर्शन / एफ.एम्./ आकाशवाणी/स्टूडियो आदि में उदघोषणा से संबंधित प्रस्तुतिकरण और प्रश्नपत्र के आलोक में सम्बद्ध अध्यापक के निर्देशानुसार सत्रीय कार्य| (उक्त गतिविधियों में से तीन गतिविधियाँ आवश्य हैं ।)	35
	कुल अंक	50

संदर्भ ग्रंथ –

1. मंच संचालन एक कला – सुनील बाजपैयी , उत्कर्ष प्रकाशन ISBN9788195152522
2. सफल मंच संचालन कैसे करें? – अरुण सागर आनंद, कादंबरी प्रकाशन ISBN97 88 18 91 98 374
3. एंकरिंग का सुपरस्टार – अमित जैन 'मौलिक' मंच संचालन पर ई बुक

4. संचालन कैसे करें? – इकराम राजस्थानी, साहित्यागार ई बुक (ई पुस्तकालय)
5. उद्घोषणा कला - डॉ. शीला मिश्र, संजय प्रकाशन , 4378 / 4 बी. , 209 , जे.एम.डी. हाऊस,अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली – 110002 प्रथम संस्करण 2010

Course Syllabus

Semester II

Course Title **पाठ्यक्रम शीर्षक**	**हिंदी व्यंग्य कथा**
Course Credits **पाठ्यक्रम श्रेयांक**	**2**
Course Outcomes **पाठ्यक्रम परिणाम**	After going through the course, learners will be able to पाठ्यक्रम सीखने के उपरांत छात्राएँ सक्षम होंगी।
	1. छात्राएँ व्यंग्य कथा विधा की जानकारी से परिचित होंगी।
	2. छात्राएँ व्यंग कथा का कथ्य और व्यंग्य शैली से अवगत होंगी।
	3. छात्राएँ व्यंग्य कहानीकारों से परिचित होंगी।
	4. छात्राएँ व्यंग्य रचना संसार से परिचित होंगी।
	निर्धारित पाठ्यपुस्तक: हास्य व्यंग्य कहानी, हिंदी अध्ययन मंडल द्वारा संपादित, वाणी **प्रकाशन**, दरियागंज, नई दिल्ली

	- 110002
Module 1 (Credit 1)	
Learning Outcomes पाठ्यक्रम- अध्ययन के परिणाम	After learning the module, learners will be able to इस इकाई के अध्ययन के उपरांत छात्राएँ सक्षम हुईं :
	1. छात्राएँ व्यंग्य कथा विधा की जानकारी और व्यंग्य कहानीकार से परिचित हुईं ।
	2. छात्राएँ व्यंग कथा का कथ्य और व्यंग्य शैली से अवगत हुईं ।
Content Outline **सामग्री की रूपरेखा**	• कहानीकार विवेकी राय का परिचय • घनचक्कर'- विवेकी राय • कहानीकार शंकर पुणतांबेकर का परिचय • 'चित्र'- शंकर पुणतांबेकर
Module 2 (Credit 1)	
Learning Outcomes पाठ्यक्रम- अध्ययन के परिणाम	After learning the module, learners will be able to इस इकाई के अध्ययन के उपरांत छात्राएँ सक्षम हुईं :
	1. छात्राएँ व्यंग्य कथा विधा की जानकारी और व्यंग्य कहानीकार से परिचित हुईं ।
	2. छात्राएँ व्यंग कथा का कथ्य और व्यंग्य शैली से अवगत हुईं ।
Content Outline **सामग्री की रूपरेखा**	• कहानीकार सूर्यबाला का परिचय • 'भगवान ने कहा था'- सूर्यबाला • कहानीकार संजीव निगम का परिचय • 'मान ना मान -'मेहमान तेरा मैं ,संजीव निगम

Assignments / Activities towards Comprehensive Continuous Evaluation (CCE)

विश्वविद्यालय परीक्षा विभाग अथवा महाविद्यालय द्वारा प्रश्नपत्र के अनुसार सुनिश्चित टेस्ट, ट्युटोरियल या मौखिकी / संगोष्ठी /समूह परिचर्चा/पीपीटी/भूमिका निर्वहन/पोस्टर निर्मिती /मंचन आदि के संबंध में अध्यापक के निर्देशानुसार सत्रानुरूप कार्य |

अ.क्र.	विवरण	अंक
1	अंतर्गत मूल्यांकन	15
2	मौखिकी / संगोष्ठी /समूह परिचर्चा/पीपीटी/भूमिका निर्वहन/पोस्टर निर्मिती /मंचन आदि के संबंध में अध्यापक के निर्देशानुसार सत्रानुरूप कार्य | (उक्त गतिविधियों में से तीन गतिविधियाँ आवश्य हैं ।)	35
	कुल अंक	50

संदर्भ ग्रंथ –

1. हास्य व्यंग्य कहानी, (हिंदी अध्ययन मंडल द्वारा संपादित पाठ्यपुस्तक), संपा. प्रो. चंद्रकांत मिसाळ, वाणी **प्रकाशन**, दरियागंज, नई दिल्ली **–** 110002
2. हिन्दी व्यंग्य साहित्य और हरिशंकर परसाई – मदालसा व्यास, भारतीय ग्रन्थ निकेतन, 2713, कूचा चेलान, दरिया गंज, नई दिल्ली – 110002
3. हिंदी का स्वातंत्र्योत्तर हास्य और व्यंग्य - डॉ. बालेन्दुशेखर तिवारी**,** अन्नपूर्णा प्रकाशन**,** 106/154**,** गांधी नगर**,** कानपुर – 208012
4. हिंदी व्यंग्य एवं व्यंग्यकार - डॉ. बापूराव देसाई**,** विनय प्रकाशन**,** 70**,** पशुपति नगर**,** नौबस्ता**,** कानपुर – 21
5. हरिशंकर परसाई और उनका साहित्य – डॉ. अर्चना सिंह, हिंदी बुक सेंटर, 4/5 बी, असफअली रोड, नई दिल्ली – 110002
6. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी व्यंग्य निबंध एवं निबंधकार - डॉ. बापूराव देसाई, चिंतन प्रकाशन**,** 787 /4 **,** पशुपति नगर, नौबस्ता **,** कानपुर **–** 208021
7. हिंदी निबंधकार - डॉ. जयनाथ नलीन**,** आत्माराम एंड सन्स **,** काश्मीरी गेट **,** दिल्ली -17 स्वातंत्र्योत्तर हिंदी व्यंग्य का मूल्यांकन - डॉ. सुरेश माहेश्वरी**,** विकास प्रकाशन**,** साकेत नगर**,** कानपुर **–** 208014
8. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य में व्यंग्य - डॉ. हरिशंकर दुबे**,** राधाकृष्ण प्रकाशन**,** 7/23 **,** अंसारी रोड **,** दरियागंज**,** नई दिल्ली – 110002
9. हिंदी व्यंग्य : बदलते प्रतिमान - डॉ. तेजपाल चौधरी**,** पंचशील प्रकाशन**,** फिल्म कॉलोनी **,**चौडा रास्ता **,** जयपुर – 302003

10. हरिशंकर परसाई और उनका साहित्य - डॉ. अर्चना सिंह, हिंदी बुक सेंटर , 4 / 5 बी. , आसफ अली रोड, नई दिल्ली – 110002
11. सगोत्री विधाओं का 'अकेला मेला' -डॉ. केशव प्रथमवीर, संपा. चेतना राजपूत, पराग बुक्स, गाजियाबाद

OEC

Course Title **पाठ्यक्रम शीर्षक**	**भारतीय लोक-कथाएँ**
Course Credits **पाठ्यक्रम श्रेयांक**	**4**
Course Outcomes **पाठ्यक्रम परिणाम**	After going through the course, learners will be able to पाठ्यक्रम सीखने के उपरांत छात्राएँ सक्षम होंगी।
	1.छात्राएँ भारत की लोक-कथा परम्परा से परिचित होंगी।
	2.छात्राएँ लोककथाओं में निहित मानवीय मूल्यों एवं सरोकारों से अवगत होंगी।
	3.छात्राएँ भारत की लोक-संस्कृति से परिचित होंगी।
	4.छात्राएँ कथा-कथन और श्रवण की मौलिक परम्परा से समृध्द होंगी।
	निर्धारित पाठ्यपुस्तक : भारत की लोक कथाएं- पेंगविन प्रकाशन, दिल्ली, 2017 – बचपन सोसायटी फॉर चिल्ड्रेंस लिटरेचर एंड कल्चर द्वारा तैयार की गई.
Module 1 (Credit 1)	
Learning Outcomes पाठ्यक्रम- अध्ययन के परिणाम	After learning the module, learners will be able to इस इकाई के अध्ययन के उपरांत छात्राएँ सक्षम हुईं :
	1. छात्राएँ भारत की लोक-कथा परम्परा एवं लोक-संस्कृति से परिचित हुईं ।
	2. छात्राएँ कथा-कथन और श्रवण की मौलिक परम्परा एवं उनमें अभिव्यक्त मानवीय सरोकारों से अवगत हुईं ।
Content Outline **सामग्री की रूपरेखा**	● दुर्भावना का फल – उत्तराखंड - कुसुमलता सिंह ● बुद्धिमान जुलाहा – उत्तर प्रदेश - सुरेखा पाणंदीकर ● एक दिन देख लूँगा- राजस्थान- शशि जैन ● बड़ों का सत्कार – तमिलनाडु- कुसुमलता सिंह
Module 2 (Credit 1)	
Learning Outcomes	After learning the module, learners will be able to इस इकाई के अध्ययन के उपरांत छात्राएँ सक्षम हुईं :

पाठ्यक्रम- अध्ययन के परिणाम	1.छात्राएँ विविध मानवीय भावों-अनुभावों से परिचित हुईं ।
	2.छात्राएँ भारतीय लोक-संस्कृति के विविध पक्षों एवं उनके महत्त्व से अवगत हुईं ।
Content Outline सामग्री की रूपरेखा	● हंसने रोने का रहस्य – गुजरात - उषा सिंह ● जब हँसे तो मोती – गोवा - सुरेखा पाणंदीकर ● हंसने वाली मछली- कश्मीर - गिरिजारानी अस्थाना ● धर्म की खोज – महाराष्ट्र-माधुरी टिल्लू
Module 3 (Credit 1)	
Learning Outcomes पाठ्यक्रम- अध्ययन के परिणाम	After learning the module, learners will be able to इस इकाई के अध्ययन के उपरांत छात्राएँ सक्षम हुईं :
	1.छात्राएँ लोककथाओं में अभिव्यक्त लौकिक-अलौकिक घटनाओं के माध्यम से लोकमान्यता एवं लोक-परंपरा से अवगत हुईं ।
	2.छात्राएँ लोककथाओं में अभिव्यक्त संदेशों से परिचित हुईं ।
Content Outline सामग्री की रूपरेखा	● अक्का और राक्षस राजा (कर्नाटक) - कुसुमलता सिंह ● चालाक चंदू (केरल) - पौलोमी मिश्रा जिंदल ● भूत की मुसीबत (बंगाल) - सरोजिनी ● ज़िंदा भूत (आंध्र प्रदेश)- गिरिजारानी अस्थाना
Module 4 (Credit 1)	
Learning Outcomes पाठ्यक्रम- अध्ययन के परिणाम	After learning the module, learners will be able to इस इकाई के अध्ययन के उपरांत छात्राएँ सक्षम हुईं :
	1.छात्राएँ मनुष्य और प्रकृति के अन्तःसंबंधों से परिचित हुईं ।
	2.छात्राएँ मानव-जीवन में प्रकृति के महत्व से अवगत हुईं ।
Content Outline सामग्री की रूपरेखा	● स्वप्न तरु (बिहार)- उषा सिंह ● कौन है पति (अरुणाचल प्रदेश)- सुरेखा पाणंदीकर ● बारिश हुई मोर बना (असम) - सुरेखा पाणंदीकर ● नागुराई और नखलिपि (त्रिपुरा)-

Assignments / Activities towards Comprehensive Continuous Evaluation (CCE)

निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार : विश्वविद्यालय हिंदी विभाग अथवा महाविद्यालय के परीक्षा विभाग द्वारा सुनिश्चित टेस्ट, ट्युटोरियल या मौखिकी/ प्रोजेक्ट/ लोक कथाओं का कक्षा में वाचन / लोक कथाओं का संकलन /भारतीय लोक कथाओं पर मंचन अथवा प्रस्तुति / लोककथाओं पर पोस्टर निर्माण/ लोक कथाओं को सुनकर लिपिबध्द करना /भारतीय लोक कथाओं के आधार पर रील निर्माण/ भारतीय लोककथाओं में प्रस्तुत जीवन मूल्यों की पहचान और विश्लेषण/ लोक कथाओं की संगीतमय प्रस्तुति/ लोक कथाओं का कथा-कथन(स्टोरी टेलिंग) आदि | विषय संबंधित अध्यापक के निर्देशानुसार सत्रानुरूप कार्य |

अ.क्र.	विवरण	अंक
1	अंतर्गत मूल्यांकन	15
2	मौखिकी/ प्रोजेक्ट/ लोक कथाओं का कक्षा में वाचन / लोक कथाओं का संकलन /भारतीय लोक कथाओं पर मंचन अथवा प्रस्तुति / लोककथाओं पर पोस्टर निर्माण/ लोक कथाओं को सुनकर लिपिबध्द करना /भारतीय लोक कथाओं के आधार पर रील निर्माण/ भारतीय लोककथाओं में प्रस्तुत जीवन मूल्यों की पहचान और विश्लेषण/ लोक कथाओं की संगीतमय प्रस्तुति/ लोक कथाओं का कथा-कथन(स्टोरी टेलिंग) आदि	विषय संबंधित अध्यापक के निर्देशानुसार सत्रानुरूप कार्य	(उक्त गतिविधियों में से तीन गतिविधियाँ आवश्य हैं ।)	35
	कुल अंक	50

संदर्भ ग्रंथ –

1. भारत की लोक कथाएं- ए. के. रामानुजन– नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली, 2011

2. भारत की लोक कथाएं- पृथ्वीशर गायेन- चिल्ड्रेंस बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली, 2000
3. 21 श्रेष्ठ लोक कथाएं- आचार्य संजीव वर्मा सलिल, डायमंड बुक्स, 2022
4. पिरथवी भारी है- (बुन्देली लोक कथाओं का पुनर्लेखन)- रमेश दत्त दुबे- नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली, 1995
5. विश्वप्रसिद्ध लोककथाएं- धरमपाल बारिया- मनोज पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 1999
6. अरुणाचल प्रदेश: प्रतिनिधि निशी लोककथाएं- जोरां आनिया ताना, उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान, लखनऊ, 2019
7. कर्नाटक की लोक कथाएं एवं प्रश्नोत्तरी- रचना भोला यामिनी- डायमंड पॉकेट बुक्स, नई दिल्ली, 2004
8. बिहार की लोककथाएं- राम कृष्ण शर्मा- कैटर पिल्लर पब्लिशर्स, दिल्ली, 2009
9. भारत के आदिवासी क्षेत्रों की लोककथाएं- शरद सिंह- – नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली, 2009
10. मध्य प्रदेश की लोक कथाएं- वसंत निरगुणे, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012
11. लोक साहित्य के स्वरूप का सैद्धान्तिक विवेचन – डॉ. नारायण चौधरी, अमन प्रकाशन, 104 ए/118, राम बाग, कानपुर – 208012
12. लोक साहित्य में समाज और संस्कृति - मोतीराज राठौर, सरस्वती प्रकाशन,128/106, जी.ब्लाक, किदवई नगर, कानपुर – 11
13. भारतीय लोक साहित्य की रूपरेखा - दुर्गा भागवत, (अनुवादक – डॉ. स्वर्णकांता 'स्वर्णिम'), भूमिका प्रकाशन, 2/38, अंसारी मार्ग, दरियागंज, नयी दिल्ली – 21
14. लोक - साहित्य की भूमिका – डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन (प्रा.) लिमिटेड, इलाहाबाद – 3
15. हिंदी उपन्यास और जनजातीय जीवन – शिवदत्ता वावलकर, सामयिक प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली – 110002, संस्करण 2018
16. लोक साहित्य की सांस्कृतिक परंपरा – डॉ. मनोहर शर्मा, रोशनलाल जैन एण्ड सन्स, चैनसुखदास मार्ग, जयपुर – 21
17. हिंदी लोक साहित्य - गणेशदत्त सारस्वत, विद्या विहार, 87/40 ए, आचार्य नगर, कानपुर – 6

18. भारतीय लोक - साहित्य - श्याम परमार,राजकमल प्रकाशन प्रा.लि., 1 बी, नेताजी सुभाष मार्ग,नई दिल्ली – 110002
19. लोक साहित्य : अर्थ और व्याप्ति - सुरेश गौतम, अमन प्रकाशन, 104 ए/118, राम बाग, कानपुर – 12

SEC

Course Title **पाठ्यक्रम शीर्षक**	साक्षात्कार-कौशल
Course Credits **पाठ्यक्रम श्रेयांक**	**2**
Course Outcomes **पाठ्यक्रम परिणाम**	After going through the course, learners will be able to पाठ्यक्रम सीखने के उपरांत छात्राएँ सक्षम होंगी।
	1.छात्राएँ साक्षात्कार-कौशल प्राप्त करने में सक्षम होंगी।
	2. छात्राएँ साक्षात्कार के विभिन्न पहलुओं से अवगत होंगी।
	3.छात्राएँ आत्मविश्वास के साथ साक्षात्कार कला में सक्षम होंगी।
	1. छात्राएँ रोजगार प्राप्त करने में सक्षम होंगी।
Module 1 (Credit 1)	
Learning Outcomes पाठ्यक्रम- अध्ययन के परिणाम	After learning the module, learners will be able to इस इकाई के अध्ययन के उपरांत छात्राएँ सक्षम हुईं :
	1. छात्राएँ साक्षात्कार की प्रक्रिया, प्रकार और स्वरूप से परिचित हुईं ।
	2. छात्राएँ साक्षात्कार-कौशल की सैध्दांतिकी से परिचित हुईं ।
Content Outline **सामग्री की रूपरेखा**	• साक्षात्कार : अर्थ ,परिभाषा और स्वरूप • साक्षात्कार की प्रविधि एवं प्रकार • साक्षात्कार : महत्व एवं सीमाएँ • साक्षात्कार कर्ता के गुण
Module 2 (Credit 1)	
Learning Outcomes पाठ्यक्रम- अध्ययन के परिणाम	After learning the module, learners will be able to इस इकाई के अध्ययन के उपरांत छात्राएँ सक्षम हुईं :
	1. छात्राओं में प्रत्यक्ष साक्षात्कार लेने हेतु प्रश्नावली निर्माण और तैयारी की समझ पैदा हुईं ।
	2.छात्राएँ प्रत्यक्ष किसी व्यक्ति विशेष का साक्षात्कार लेकर अनुभव संपन्न हुईं ।

Content Outline **सामग्री की रूपरेखा**	• साक्षात्कार की पूर्व तैयारी • प्रश्नावली का निर्माण • व्यक्ति आधारित साक्षात्कार (किन्ही दों का) • विषय आधारित साक्षात्कार (किन्ही दों विषयों पर)

Assignments / Activities towards Comprehensive Continuous Evaluation (CCE)

निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार: विश्वविद्यालय हिंदी विभाग अथवा महाविद्यालय के परीक्षा विभाग द्वारा सुनिश्चित टेस्ट, ट्युटोरियल या मौखिकी/ प्रोजेक्ट/ साक्षात्कार की पूर्व तैयारी/ प्रश्नावली का निर्माण/ प्रत्यक्ष साक्षात्कार : लेखक, कवि, आलोचक, कलाकार आदि | विषय संबंधित अध्यापक के निर्देशानुसार सत्रानुरूप कार्य|

अ.क्र.	**विवरण**	**अंक**
1	अंतर्गत मूल्यांकन	15
2	मौखिकी/ प्रोजेक्ट/ साक्षात्कार की पूर्व तैयारी/ प्रश्नावली का निर्माण/ प्रत्यक्ष साक्षात्कार : लेखक, कवि, आलोचक, कलाकार आदि | विषय संबंधित अध्यापक के निर्देशानुसार सत्रानुरूप कार्य| (उक्त गतिविधियों में से तीन गतिविधियाँ आवश्यक हैं ।)	35
	कुल अंक	50

संदर्भ ग्रंथ –

1. संचार, साक्षात्कार, भाषण कला एवं रचनात्मक लेखन, हरीश प्रकाशन मंदिर आगरा-10
2. साक्षात्कार कैसे हों तैयार लेखक शहरोज, राजकमल प्रकाशन प्रा.लि. दरियागंज, नई दिल्ली-02

3. साक्षात्कार (कवितांजलि),गायत्री जोशी, हिमांशु पब्लिकेशन्स, प्रकाश हाऊस, दरयागंज, नयी दिल्ली-110002
4. साक्षात्कार कब और कैसे, डॉपंकज विष्णु ., रचना प्रकाशन, 57 मिश्र राजाजी का रास्ता, चाँद पोल बाज़ार, जयपुर-302001
5. साक्षात्कार मार्गदर्शिका,मनोज कुमार, मध्यप्रदेश, हिंदी ग्रंथ अकैडमी, रविंद्रनाथ ठाकुर मार्ग,बानगंगा, भोपाल-(.प्र.म)462003
6. जन संचार, प्रकृति और परम्परा, प्रोदीक्षित सूर्यप्रसाद ., ट्रिडेंट पब्लिशर्स, भांडुप वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र-400078
7. दृश्यमाध्यम जनसंचार एवं श्राव्य-,डॉ .कृष्ण कुमार रत्तू,राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, मानव संशाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार
8. भाषा और संप्रेषण, राम प्रकाश प्रजापति,आरहाऊस पब्लिशिंग.पी., नवरात्रपुर, उत्तर प्रदेश -221717
9. साक्षात्कार, संवाद और वार्ताएं, राजेन्द्र यादव, अक्षर प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली-02
10. साक्षात्कार मार्गदर्शिका - आनंद कुमार पांडेय/श्रीमती अर्चना पांडये लेखक मनोज कुमार प्रकाशक – मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी भोपाल, ISBN8173271321

अध्यक्ष
हिंदी अध्ययन मंडल
एस. एन. डी. टी. महिला विश्वविद्यालय, मुंबई